विद्यालङ्कार [B.A.(Hons.) Sanskrit]
संस्कृत विषय के लिये विस्तृत पाठ्यक्रम
Detail of the Core Course for Sanskrit
सत्र-षष्ठ Semester –VI

आधारभूत पत्र (Core paper) **सत्तामीमांसा और ज्ञानमीमांसा** **समय(Time)- 03 घण्टे (Hours)**

Paper – HSA-C611 **Ontology and Epistemology** **पूर्णाङ्क -100**

सत्रान्त परीक्षा -70

आन्तरिक परीक्षा-30

सकल-अर्जिताधिभार 06

प्रस्तावित पाठ्यक्रम (Prescribed Course)
खण्ड- क (Section – A) भारतीय दर्शन के मूलतत्त्व
खण्ड- ख (Section – B) सत्तामीमांसा (तर्कसंग्रह के आधार पर)
खण्ड- ग (Section – C) ज्ञानमीमांसा (तर्कसंग्रह के आधार पर)

पाठ्यक्रम का उद्देश्य-

इस पाठ्यक्रम का मुख्य प्रयोजन न्याय वैशेषिक दर्शन के आधारभूत सिद्धान्तों को तर्कसंग्रह के माध्यम से छात्रों को अवगत कराना है। यह विद्यार्थियों में संस्कृत के दार्शनिक सिद्धान्तों को समझने की योग्यता प्रदान करता है। संक्षेप में भारतीय दर्शन के मुख्य पक्षों को समझने में सहायता करना ही इस पाठ्यक्रम का एकमात्र उद्देश्य है।

पाठ्यक्रम अध्ययन परिणाम-

1. इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से छात्र भारतीय दर्शन के मूलभूत सिद्धान्तों को जान पायेगा।
2. उक्त के माध्यम से मुख्य चेतन तत्त्व ही सर्वत्र व्याप्त है- यह जानकर जीवन में अहङ्कार से मुक्त हो कर व्यवहार करने से सुखी रह पायेगा।

घटकानुरूप विभाजन (Unit-Wise Division)

खण्ड-क(Section – A)
भारतीय दर्शन के मूलतत्त्व

घटक (Unit)1- दर्शन का अर्थ और उद्देश्य, भारतीय शास्त्रीय दर्शन में दार्शनिक स्कूलों का सामान्य वर्गीकरण
घटक (Unit)–2 यथार्थवाद (यथार्थवाद या वस्तुवाद) और आदर्शवाद (प्रत्ययवाद), अद्वैतवाद (एकत्ववाद), द्वैतवाद और बहुलवाद , धर्म (गुण) - धर्मी (मूल / कारण)
घटक (Unit)–2 कार्यकारणवाद प्रकृतिवाद (स्वभाववाद), प्रभाव (सत्कार्यवाद) के पूर्व अस्तित्व के सिद्धान्त, वास्तविक परिवर्तन (परिणामवाद) के सिद्धान्त, भ्रामक परिवर्तन (विवर्तवाद) के सिद्धान्त, कारण में प्रभाव के गैर prexistence (अष्टकार्यवाद और आरम्भवादके सिद्धान्त)

खण्ड- ख(Section – B)
सत्तामीमांसा (तर्कसंग्रह के आधार पर)

घटक (Unit)1- पदार्थ की संकल्पना, पदार्थोंके त्रिविध -धर्म, द्रव्य की परिभाषा
घटक (Unit)–2 सामान्य, विशेष, समवाय, अभाव
घटक (Unit)–3 प्रथम सात द्रव्योंकी परिभाषाएँ और उनकी परीक्षा, आत्मा और उसके गुण, मनस्तत्त्व।

घटक (Unit)–4 (आत्मा के गुणों के अलावा अन्य) गुणकर्मा के पांच प्रकार के

खण्ड- ग(Section –C)

ज्ञानमीमांसा (तर्कसंग्रह के आधार पर)

घटक (Unit) 1- बुद्धि (ज्ञान) - न्याय में ज्ञान की प्रकृति,वैशेषिक;स्मृति-अनुभव; यथार्थऔर अयथार्थ,

घटक (Unit)–2 कारण और करण, परिभाषाएँ और के प्रकार,प्रमा,कर्ता-करण-व्यापार-फ़ल, मॉडल

घटक (Unit)–2 प्रत्यक्ष

घटक (Unit)–IV अनुमान सहित हेत्वाभास

घटक (Unit)–V उपमान और शब्द प्रमाण

घटक (Unit)–VI अयथार्थ अनुभव के प्रकार

प्रश्नपत्र निर्माण-प्रारूप-

खण्ड क के अन्तर्गत सभी खण्डों से विकल्प के साथ कुल पांच समालोचनात्मक (लघूत्तरीय प्रश्न) / वर्णनात्मक प्रश्न प्रष्टव्य रहेंगे ।

अंक 05x6= 30

खण्ड ख के अन्तर्गत सभी खण्डों से विकल्प के साथ कुल चार समालोचनात्मक / वर्णनात्मक दीर्घोत्तरीय प्रश्न प्रष्टव्य होगें ।

अंक 04x10=40

टिप्पणी : खण्ड क एवं ख में से किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर संस्कृत भाषा में करना अनिवार्य होगा ।

अनुशंसित पुस्तकें / रीडिंग:

1. इंडियन लॉजिक, कुप्पुस्वामी शास्त्री, मद्रास, 1951 के एक प्राइमर।
2. अन्नमभट्ट का तर्पणसंघ (दीपिका और न्याबोधिनी के साथ), (सं। और त्र।) अथाली और बोडास, मुंबई, १ ९ ३०।
3. अन्नमभट्ट का तर्पणसंघ (दीपिका और न्याबोधिनी के साथ), (सं। और त्रि।) विरुपक्षानंद, श्री रामकृष्ण नाथ, मद्रास, १ ९९ ४।
4. अन्नामभट्ट की तर्कासंगरा (हिंदी अनुवाद के साथ दीपिका टिप्पणी के साथ), (एड एंड ट्र), पंकज कुमार मिश्रा, परिमल प्रकाशन, दिल्ली -7। 2013।
5. तर्कसंगराह, नरेंद्र कुमार, हंसा प्रकाशन, जयपुर।
6. चटर्जी, एस। सी। एंड डी। एम। दत्ता - भारतीय दर्शन का परिचय, कलकत्ताउन्नता, कलकत्ता, 1968 (हिंदी अनुवाद भी)।
7. चटर्जी, एस। सी। - ज्ञान का सिद्धांत, कलकत्ता, 1968।
8. हिरियाना, एम। - भारतीय दर्शन की रूपरेखा, लंदन, 1956 (हिंदी अनुवाद भी)।
9. राधाकृष्णन, एस। भारतीय दर्शन -, ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, दिल्ली, 1990।
10. चटर्जी, एसभारतीय दर्शन का परिचय :और .सी., कलकत्ता
11. डी(भारतीय दशान - हिंदी) दत्त .एम. 12. भट्टाचार्य, चंद्रोदय, द एलीमेंट्स ऑफ इंडियन लॉजिक एंड एपिस्टेमोलॉजी,
13. मैत्रा, एस।, भारतीय तत्वमीमांसा और तर्कशास्त्र के मौलिक प्रश्न

नोट: यदि आवश्यक हो तो शिक्षक किसी भी प्रासंगिक पुस्तकों / लेखों / ई-संसाधन की सिफारिश करने के लिए स्वतंत्र हैं।